



## भारत—नेपाल सम्बन्ध : वर्तमान परिदृश्य

खीला कोरंगा  
असि०प्रो०—इतिहास विभाग  
रा०स्ना०महाविद्यालय, मानिला  
अल्मोड़ा (उत्तराखण्ड)

डॉ० नीरज रुवाली  
डी लिट्  
इतिहास विभाग  
एम०बी०पी०जी० कॉलेज, हल्द्वानी

### सारांश

नेपाल भारत का पड़ोसी देश है। यह एक स्थलबद्ध देश है तथा दूसरी ओर उत्तर में चीन के दृष्टिकोण से नेपाल की भू राजनीतिक अवस्थिति भारत के लिए काफी महत्वपूर्ण है। दोनों देशों के बीच आकार, संसाधन, सामर्थ्य और विकास के स्तरों तथा भौगोलिक व सामाजिक—सांस्कृतिक एवं धार्मिक सम्बन्धों जैसे कारकों में विशाल अन्तर के बावजूद निकट आर्थिक सम्बन्ध भारतीय उपमहाद्वीप से तिब्बत पठार को जोड़ने वाली हिमालय की दक्षिण ढाल पर नेपाल के सम्बन्धों को असाधारण व घनिष्ठ बनाते हैं। सन् 1950 में नई दिल्ली और काठमाण्डू ने शान्ति एवं मैत्री संधि और द्विपक्षीय व्यापार के एक समझौते पर हस्ताक्षर करके अपने सम्बन्धों को आगे बढ़ाया। 21वीं शदी का आरम्भ भारत—नेपाल सम्बन्धों के लिए कुछ नई चुनौतियां के साथ हुआ। चीन का आर्थिक हथियारों का प्रयोग करते हुए लगातार दक्षिण एशिया में अपने प्रभुत्व को बढ़ाने की नीति से नेपाल भी अछूता नहीं रह सका। इन विपरीत परिस्थितियों में एक जिम्मेदार पड़ोसी होने के नाते भारत ने नेपाल के साथ अपने सम्बन्धों का संचालन किस प्रकार से किया, यही इस शोध पत्र का अभीष्ट है।

**KEY WORDS :** भारत—नेपाल सम्बन्ध, आर्थिक सम्बन्ध, शान्ति मैत्री संधि

### प्रस्तावना

नेपाल, भारत का एक महत्वपूर्ण पड़ोसी देश है। भारत और नेपाल के बीच सम्बन्ध शाक्य वंश और गौतम बुद्ध के शासन के समय के हैं। प्रारम्भ में नेपाल आदिवासी शासन के अधीन था और इसका सामंती युग वास्तव में नेपाल में लिच्छवी शासन के आगमन के साथ शुरू हुआ था। नेपाल भारतीय राज्यों के साथ 1850 कि०मी० से अधिक की सीमा साझा करता है। नेपाल जिन राज्यों के साथ सीमा साझा करता है, वे हैं — सिक्किम, पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश तथा उत्तराखण्ड।

भारत का नेपाल के साथ सम्बन्ध दशकों से चले आ रहे भौगोलिक, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आर्थिक होने के कारण नेपाल भारत की विदेश नीति में विशेष महत्व रखता है। सन् 1950 की शान्ति एवं मित्रता की भारत-नेपाल संधि भारत और नेपाल के बीच मौजूद विशेष सम्बन्धों का आधार है और दोनों देश (भारत-नेपाल) दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संघ (सार्क) के भी सदस्य हैं।

भारत तथा नेपाल हिन्दू एवं बौद्ध धर्म के संदर्भ में भी एक आत्मीय सम्बन्ध रखते हैं। 750 से 1750 ई0 की अवधि में नेपाल में बौद्ध धर्म से हिन्दू धर्म में बदलाव देखा गया और व्यापक सांस्कृतिक बदलाव भी देखा गया। नेपाल की 80 प्रतिशत आबादी हिन्दू धर्म का पालन करती है और साथ ही बुद्ध का जन्म स्थान लुम्बिनी वर्तमान नेपाल में स्थित है। नेपाल भारत के लिए विशेष सामरिक महत्व रखता है क्योंकि नेपाल की उत्तरी सीमा चीन के तिब्बत प्रान्त से मिलती है। नेपाल भारत के उत्तर-पूर्व में स्थित तथा चीन एवं भारत के मध्य एक प्रतिरोधक मध्यस्थ राज्य की भूमिका निभा रहा है। नेपाल में लोकतन्त्र की स्थापना के पश्चात भारत पड़ोसी देशों के सकारात्मक सम्बन्धों को महत्व दे रहा है। विशेष रूप से नेपाल के साथ कई सम्बन्धों को नई दिशा देने का सशक्त धरातल तैयार हुआ है।

### भारत-नेपाल शान्ति और मित्रता सन्धि

- यह भारत तथा नेपाल के मध्य द्विपक्षीय संधि है, जिसका उद्देश्य दोनों दक्षिण एशियाई पड़ोसी देशों के बीच घनिष्ठ रणनीतिक सम्बन्ध स्थापित करना है।
- यह सन्धि दोनों देशों के बीच लोगों और वस्तुओं की मुक्त आवाजाही और रक्षा एवं विदेशी मामलों के बीच घनिष्ठ सम्बन्ध तथा सहयोग की अनुमति देती है।
- यह संधि नेपाल को भारत से हथियार खरीदने की सुविधा भी देती है।
- इस संधि के द्वारा नेपाल को एक भू-आबद्ध देश होने के कारण कई विशेषाधिकारों को प्राप्त करने में सक्षम बनाता है।
- भारत-नेपाल की खुली सीमा दोनों देशों के सम्बन्धों की विशिष्टता है, जिससे दोनों देशों के लोगों को आवागमन में सुविधा रहती है।
- भारत तथा नेपाल के बीच सीमा को लेकर कोई बड़ा विवाद नहीं है। लगभग 98 प्रतिशत सीमा की पहचान व उसके नक्शे पर सहमति बन चुकी है। कुछ क्षेत्रों को लेकर विवाद है, जिसे बातचीत के माध्यम से सुलझाने की प्रक्रिया चल रही है।

## सहयोग के विभिन्न क्षेत्र

1- सांस्कृतिक व धार्मिक क्षेत्र नेपाल और भारत दुनिया के दो प्रमुख धर्मों – हिन्दू और बौद्ध धर्म के विकास के आसपास एक सांस्कृतिक इतिहास साझा करते हैं। बुद्ध का जन्म वर्तमान नेपाल में स्थित लुम्बिनी में हुआ था। बाद में बुद्ध ज्ञान की खोज में वर्तमान भारतीय क्षेत्र बोधगया आए, जहाँ उन्हें आत्मज्ञान प्राप्त हुआ। बोधगया से महात्मा बुद्ध और उनके अनुयायियों ने विश्व के कोने-कोने तक बौद्ध धर्म का प्रसार किया। लुम्बिनी, नेपाल बौद्ध संस्कृति एवं विरासत के लिये अन्तर्राष्ट्रीय केन्द्र है। लुम्बिनी मठ क्षेत्र, लुम्बिनी नेपाल में इण्डियन इण्टरनेशनल सेंटर बौद्ध कल्चर एण्ड हैरिटेज के निर्माण का शिलान्यास समारोह भारतीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी तथा नेपाल के प्रधानमंत्री श्री शेर बहादुर देउपा द्वारा किया गया। भारत सरकार लोगों से लोगों के सम्पर्क को प्रोत्साहित करती है तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों, सम्मेलनों एवं सेमिनारों का आयोजन करती है। भारत और नेपाल काठमाण्डू-वाराणसी, लुम्बिनी-बोधगया तथा जनकपुर-अयोध्या के युग्म बनाने के लिए श्री सिस्टर सिटी समझौतों पर हस्ताक्षर भी कर चुके हैं।

भारत और नेपाल दोनों ही देशों में हिन्दू तथा बौद्ध धर्म को मानने वाले लोग हैं। रामायण सर्किट की योजना दोनों देशों के मजबूत सांस्कृतिक व धार्मिक सम्बन्धों का प्रतीक है।

2- **सामाजिक क्षेत्र** – घनिष्ठ पड़ोसियों के रूप में भारत और नेपाल मित्रता और सहयोग का एक अनूठा सम्बन्ध साझा करते हैं, जिसकी विशेषता खुली सीमाएँ और रिश्तदोरी तथा संस्कृति के लोगों से लोगों के बीच गहरे सम्पर्क हैं।

भारत-नेपाल की खुली सीमा दोनों देशों के सम्बन्धों की विशिष्टता है, जिससे दोनों देशों के लोगों को आवागमन में सुगमता रहती है। दोनों देशों के नागरिकों के बीच आजीविका के साथ-साथ विवाह और पारिवारिक सम्बन्धों की मजबूत नींव है। इस नींव को ही 'रोटी-बेटी का रिश्ता' नाम दिया गया है।

3- **आर्थिक क्षेत्र** – भारत-नेपाल का सबसे बड़ा व्यापार भागीदार है और कुल विदेशी निवेश का सबसे बड़ा श्रोत है। इसके अतिरिक्त भारत-नेपाल ट्रांजिट संधि के अनुसार नेपाल के लगभग पूरे तीसरे देश के व्यापार के लिए पारगमन प्रदान करता है। भारत-नेपाल के व्यापारिक व्यापार का दो-तिहाई से अधिक, सेवाओं में व्यापार का लगभग एक तिहाई प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का एक-तिहाई, पेट्रोलियम आपूर्ति का लगभग 100 प्रतिशत और पेंशन भोगियों, पेशेवरों के खाते में आवक प्रेषण

का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। वर्तमान समय में द्विपक्षीय व्यापार बढ़ कर सात गुना अधिक हो गया है, साथ ही नेपाल में लगभग 150 भारतीय उपक्रम विनिर्माण, सेवा (बैंकिंग, बीमा, शुष्क बन्दरगाह, शिक्षा तथा टेलीकॉम) बिजली, पर्यटन और सेवा क्षेत्र में कार्यरत हैं।

भारत नेपाल को अन्य देशों के साथ व्यापार करने के लिए पारगमन सुविधा भी प्रदान करता है। नेपाल अपने समुद्री व्यापार के लिए कोलकाता बन्दरगाह का उपयोग करता है। भारत नेपाल को पर्याप्त वित्तीय और तकनीकी विकास सहायता भी उपलब्ध कराता है।

**4- अवसंरचना विकास क्षेत्र** – भारत सरकार नेपाल में जमीनी स्तर पर बुनियादी ढाँचे के निर्माण पर ध्यान केन्द्रित करते हुए समय-समय पर विकास को गति देने के लिए सहायता प्रदान करती है। इस बुनियादी ढाँचे में स्वास्थ्य, जल संसाधन, शिक्षा, ग्रामीण और सामुदायिक विकास जैसे मुद्दे शामिल हैं। इसके अतिरिक्त सीमा अवसंरचना के विकास में तराई क्षेत्र में सड़कों के उन्नयन के माध्यम से नेपाल को सहायता प्रदान करती है, साथ ही सीमा पार रेल सम्पर्कों का विकास, चार एकीकृत चेक पोस्ट्स की स्थापना एवं उपक्रम अवसंरचना विकास परियोजनाओं हेतु लाइन ऑफ क्रेडिट जैसी योजनाओं के माध्यम से नेपाल को सहायता देती है।

**5- रक्षा सहयोग क्षेत्र** – भारत ने उपकरणों, प्रशिक्षण एवं आपदा प्रबन्धन क्षेत्र में सहयोग कर नेपाली सेना के आधुनिकीकरण में मदद की है। इसके अतिरिक्त भारतीय सेना ने गोरखा सिपाहियों को बड़े पैमाने पर भर्ती की है तथा दोनों सेनायें एक-दूसरे के सेना प्रमुखों को जनरल की मानद रैंक प्रदान कर रही है। द्विपक्षीय रक्षा सहयोग के तहत उपकरण और प्रशिक्षण के माध्यम से नेपाली सेना के आधुनिकीकरण में काफी सहायता मिली है। भारतीय सेना की गोरखा रेजीमेण्ट्स में नेपाल के पहाड़ी क्षेत्रों से युवाओं की भर्ती दोनों देशों के मध्य आपसी सहयोग की भावना को दर्शाता है। भारत वर्ष 2011 से नेपाल के साथ प्रति वर्ष 'सूर्य किरण' नाम से संयुक्त सैन्य अभ्यास करता आ रहा है।

6- **आपदा प्रबन्धन** – नेपाल में अक्सर भूकम्प, भू-स्खलन और हिमस्खलन, बादल फटने और बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं का खतरा रहता है। ऐसा मुख्य रूप से भौगोलिक कारकों के कारण होता है क्योंकि नेपाल एक प्राकृतिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र में स्थित है। भारत आपदा से सम्बन्धित ऐसे किसी भी मामले में कर्मियों की सहायता के साथ-साथ तकनीकी और मानवीय एवं वित्तीय सहायता नेपाल को सदैव प्रदान करता रहा है।

7- **संचार क्षेत्र** – नेपाल एक भू-आबद्ध देश है जो तीन ओर से भारत से और एक तरफ तिब्बत से घिरा हुआ है। भारत-नेपाल ने अपने नागरिकों के मध्य सम्पर्क बढ़ाने और आर्थिक वृद्धि एवं विकास को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कनेक्टिविटी कार्यक्रम प्रारम्भ किये हैं। नेपाल के प्रधानमंत्री दिसम्बर, 2017 में नेपाल के संसदीय चुनावों के बाद भारत की तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर आये। यह यात्रा अत्यन्त महत्वपूर्ण थी क्योंकि भारत-नेपाल सम्बन्ध 2015 से तनाव के दौर से गुजर रहे थे। यात्रा के दौरान एक 12 बिन्दुओं वाला नियमित संयुक्त वक्तव्य तथा कृषि, काठमाण्डू तक रेल सम्पर्क तथा अन्तर्देशीय जलमार्गों पर तीन विशेष वक्तव्य जारी किये गये। इनमें शामिल हैं –

- (i) रक्सौल-काठमाण्डू रेलवे लाइन के निर्माण के सन्दर्भ में “व्यवहार्यता अध्ययन” हेतु समझौता।
- (ii) वस्तुओं और लोगों के नेपाल से अन्य देशों में परिवहन हेतु नेपाली स्टीमरों के परिचालन के लिए समझौता। इस समझौते द्वारा माल की लागत प्रभावी और कुशल आवाजाही के सक्षम होने तथा नेपाल के व्यवसाय और अर्थव्यवस्था की वृद्धि में अत्यधिक योगदान दिये जाने की सम्भावना।
- (iii) व्यापार और पारगमन समझौतों की रूपरेखा के अन्तर्गत माल की आवाजाही हेतु अन्तर्देशीय जलमार्गों का विकास तथा इसके माध्यम से नेपाल को समुद्र तक अतिरिक्त पहुँच उपलब्ध कराना।
- (iv) नेपाल में जैविक कृषि और मृदा स्वास्थ्य निगरानी पर एक पायलट परियोजना संचालित कराना।

इस प्रकार यह महत्वपूर्ण यात्रा दो देशों के बीच व्याप्त अविश्वास को समाप्त करने में काफी हद तक सहायक सिद्ध हुआ।

8- **जल संसाधन** — लगभग 250 छोटी एवं बड़ी नदियाँ नेपाल से भारत में प्रवाहित होती हैं तथा गंगा नदी बेसिन के एक भाग का निर्माण करती है। ये नदियाँ सिंचाई और विद्युत ऊर्जा का महत्वपूर्ण स्रोत बन सकती हैं। जल-संसाधन तथा जल-विद्युत में सहयोग से सम्बन्धित एक त्रि-स्तरीय द्विपक्षीय तन्त्र 2008 से कार्य कर रहा है। नेपाल की 700 मेगावॉट की सम्भावित क्षमता से काफी कम है। इसके अतिरिक्त गंगा नदी का 60 प्रतिशत जल नेपाल की नदियों से आता है और मानसून के महीनों में यह प्रवाह 80 प्रतिशत तक हो जाता है। इसलिए उसके द्वारा सिंचाई और बिजली उत्पादन में महत्वपूर्ण योगदान मिलता है।

9- **बिजली** — “इलैक्ट्रिक पॉवर ट्रेड, क्रॉस बॉर्डर ट्रांसमिशन इंटरकनेक्शन एण्ड ग्रिड कनेक्टिविटी” के सम्बन्ध में एक समझौते पर वर्ष 2014 में भारत-नेपाल के मध्य हस्ताक्षर किये गये थे। इस समझौते का उद्देश्य भारत और नेपाल के मध्य सीमा पार बिजली व्यापार को सुविधाजनक तथा अधिक सुदृढ़ बनाना था।

10- **शिक्षा** — भारत सरकार नेपाली नागरिकों को प्रत्येक वर्ष लगभग 3000 छात्रवृत्तियाँ/सीट उपलब्ध कराती है। इसके अतिरिक्त नेपाली नागरिकों को बिना वर्क परमिट के भारत में कार्य करने, सरकारी नौकरियों तथा सिविल सेवाओं (IFS, IAS तथा IPS) को छोड़कर) के लिए आवेदन की अनुमति प्रदान करती है। विदेश मंत्रालय के आँकड़ों के अनुसार लगभग 6 मिलियन नेपाली नागरिक भारत में निवास तथा कार्य करते हैं। भारत के लिए नेपाल का महत्व

नेपाल पाँच भारतीय राज्यों (उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, सिक्किम और बिहार) के साथ सीमा साझा करता है इसलिए सांस्कृतिक और आर्थिक आदान-प्रदान एक महत्वपूर्ण बिन्दु है। इसके अतिरिक्त नेपाल, भारत की ‘हिमालयी सीमाओं’ के ठीक बीच में है और भूटान के साथ एक उत्तरी सीमा के रूप में कार्य करता है और चीन से किसी भी सम्भावित आक्रमण के खिलाफ बफर राज्यों के रूप में कार्य करता है। वे नदियाँ जिनका उद्गम स्थल नेपाल में है, परिस्थितिकी और जल विद्युत क्षमता के सन्दर्भ में भारत की बारहमासी नदी प्रणालियों को पोषित करती है। कई हिन्दू और बौद्ध धार्मिक स्थल नेपाल में हैं, जो इसे बड़ी संख्या में भारतीयों के लिए एक महत्वपूर्ण तीर्थ स्थल बनाते हैं।

### निष्कर्ष

भारत व नेपाल एक-दूसरे में ऐसे रचे-बसे हैं कि चाह कर भी एक-दूसरे से अलग नहीं हो सकते। सदियों से चले आ रहे भौगोलिक, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक सम्बन्धों के कारण नेपाल, भारत के लिए विशेष महत्व रखता है। 21वीं शदी में अन्तर्राष्ट्रीय सन्दर्भ में राष्ट्रीय प्रभुसत्ता के कठोर प्रतिमान आर्थिक रूप से पारस्परिक आत्मनिर्भरता के सन्दर्भों पर आधारित होते जा रहे हैं। ऐसी स्थिति में भारत और नेपाल दोनों को अपने राष्ट्रीय, क्षेत्रीय प्रतिमानों के साथ-साथ सहयोग के नवीन आधार ढूँढने की आवश्यकता है। दोनों देश अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा हितों को ध्यान में रखकर विदेश नीति का निर्धारण करें, तभी वे स्वतन्त्र रूप से बहुआयामी राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय हितों का संवर्द्धन करने में सक्षम हो सकेंगे। भारत तथा नेपाल के सदियों पुराने सुदृढ़ सम्बन्ध अब भी अच्छे व गहरे हैं, जो दोनों देशों के हित में हैं तथा इसे भविष्य में और सहयोगात्मक बनाया जा सकता है।

### संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. भारत नेपाल सम्बन्ध, समसामयिक अध्ययन, 2022, यादव, भूपेन्द्र सिंह
2. भारत नेपाल सम्बन्ध : बदलते परिप्रेक्ष्य में, मीणा, राकेश कुमार
3. <https://www.research.net/publication/322696053>
4. <https://www.jetir.org/papers/JETIR1701681>
5. <https://www.jmrd.com/upload/1522149317>
6. drishtiiias.com.
7. www.BYJUSEXAMPREP.com.
8. भारत-नेपाल सम्बन्ध, सिंह, शान्तेश कुमार
9. भारत-लनेपाल सम्बन्ध एवं वर्तमान स्थिति, वर्मा, कुलदीप
10. अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध, फाड़िया, बी0एल0